



झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 526 राँची, शनिवार 27 आषाढ़, 1937 (श०)

18 जुलाई, 2015 (ई०)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग

आदेश

14 जुलाई, 2015

संख्या:- 5/आरोप-1-345/2014 का. 6273 -- श्री कानुराम नाग, झा०प्र०से० प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, खूँटी के विरुद्ध श्री लालजी राम तियु, ग्राम-महुलसाई, पो०-चाईबासा, जिला-प० सिंहभूम, झारखण्ड द्वारा समर्पित परिवाद-पत्र में फर्जी अभिलेखों के आधार पर अनुसूचित जनजाति की आरक्षित श्रेणी में मुंडा जाति का प्रमाण-पत्र बनाकर झारखण्ड प्रशासनिक सेवा में नियुक्ति प्राप्त करने संबंधी आरोप लगाये गये हैं। इन आरोपों की जाँच उपायुक्त, प० सिंहभूम, चाईबासा द्वारा एक कमिटी गठित कर करायी गयी। कमिटी का निष्कर्ष निम्नवत् है:-

(क) श्री कानुराम नाग की जाति तमड़िया है एवं विभागीय पत्रांक-1816, दिनांक-31 अक्तूबर, 2010 के अनुसार, तमड़िया जाति अत्यंत पिछड़ा वर्ग के अंतर्गत आता है।

(ख) अंचल अधिकारी, खूँटपानी; अंचल निरीक्षक एवं स्थानीय ग्रामीण मुंडा द्वारा बताया गया कि श्री नाग के परिवार का ग्राम-दोपायी के खाता सं०-129 के भूभाग में स्वामित्व है तथा खतियान में जाति तमडिया उल्लिखित है।

स्पष्ट है कि श्री नाग द्वारा फर्जी अभिलेख के आधार पर अनुसूचित जनजाति अंतर्गत मुण्डा जाति का प्रमाण-पत्र बनवाकर 2nd J.P.S.C. परीक्षा द्वारा गलत ढंग से झा०प्र०से० में नियुक्ति प्राप्त की गयी है। जाँच-कमिटी के समक्ष श्री नाग द्वारा भी स्वीकार किया गया है कि उनकी जाति तमडिया है। इस प्रकार, श्री नाग के विरुद्ध झारखण्ड प्रशासनिक सेवा में अनुसूचित जनजाति की आरक्षित श्रेणी में इनकी अवैध रूप से नियुक्ति पाने संबंधी गंभीर आरोप प्रथम दृष्ट्या प्रमाणित होते हैं।

2. उक्त आरोप हेतु श्री नाग को असैनिक सेवाएँ (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 1930 के नियम-49क-(1)(क) के तहत तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक निलंबित किया जाता है।

3. निलंबन अवधि में श्री नाग को झारखण्ड सेवा संहिता के नियम-96 के अन्तर्गत मात्र जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा ।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,
प्रमोद कुमार तिवारी,
सरकार के उप सचिव ।
